भारत में कृषि विकास

चुनौतियां और अवसर

संपादक

डॉ. राजकुमार नागवंशी

मध्य प्रदेश में कृषि की स्थिति एवं सम्भावनाएं : कृषि उत्पादन एवं कृषि सिंचाई के विशेष सन्दर्भ में

–डॉ. राजकुमार नागवंशी

प्रस्तावना

भारत एक कृषि प्रधान देश है एवं वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 121.01 करोड़ है, जिसमें से लगभग 64.61 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि है। कृषि केवल जीविकोपार्जन का साधन ही नहीं अपितु देश की सभी गतिविधियों का केन्द्र है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है कृषि के माध्यम से ही भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत व सुदृढ़ बनाया जा सकता है। भारत में कृषि क्षेत्र का महत्व इस तथ्य से भी स्वयं सिद्ध है कि यह देश की लगभग 69 प्रतिशत आबादी को अभी भी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के साधन उपलब्ध कराता है। युगोपापी के अनुसार ''कृषि आय में वृद्धि आर्थिक विकास की कुंजी है और यदि कोई देश सर्वप्रथम उसे प्राप्त करने में असफल रहता है तो समस्त विकास प्रक्रिया अवरूद्ध हो सकती है।'' भारत की दो तिहाई आबादी अभी तक कृषि पर ही निर्भर है। बढ़ती श्रम शक्ति को खपाने तथा बेरोजगारी को कम करने के लिये कृषि के क्षेत्र में सुसंगठित विकास पर जोर देना अतिआवश्यक हैं। गरीबी अनुपात में कमी लाने में कृषि विकास महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। भारत के अधिकांश राज्यों की तरह मध्य प्रदेश राज्य में भी कृषि अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मध्य प्रदेश की कुल आबादी का 75 प्रतिशत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है एवं राज्य को प्राप्त होने वाले कुल राजस्व का मोटे तौर पर 23 प्रतिशत इसी क्षेत्र से प्राप्त होता है। ऐसी स्थिति में राज्य का समग्र अर्थिक विकास बुनियादी रूप से कृषि क्षेत्र के प्रगति पर निर्भर करता है साथ ही साथ मध्य प्रदेश में कृषि क्षेत्र में विकास की काफी संभावना भी दिखायी पड़ती है एवं एक प्रदेश का विकास पूरे देश के अर्थिक विकास को बल देता है। कृषि क्षेत्र प्राचीनकाल से प्रचलित व्यवसाय व दीर्घकालीन और न कभी समाप्त होने वाला व्यवसाय है। भारत के संदर्भ में कृषि विकास में भविष्य संभावनाओं से परिपूरित है। देश के केंद्र में स्थित होने के कारण मध्य प्रदेश को सामान्यता ''देश का हृदय'' कहा जाता है अर्थात सम्पूर्ण देश के लिए मध्य प्रदेश कृषि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। राज्य सरकार द्वारा कृषि विकास के परिप्रेक्ष्य में